

26/12/88



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 333]  
No. 333]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 16, 1988/ज्यैष्ठ 26, 1910  
[NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 16, 1988/JYAISTHA 26, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली 16 जून 1988

अधिसूचना

सं. 214/88—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 703 (अ) — केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के  
उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सोलह हजार रुपये प्रति में टन अधिक मूल्य  
के सायुन को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टेरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपशीर्ष  
3401.10 के अंतर्गत आता है, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट उस पर उद्गृहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जितना

मूल्य के पाँच प्रतिशत की दर से संगणित रकम से अधिक है, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखे हुए छूट देती है, अर्थात् :

(i) उक्त साबुन का भारत सरकार के खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति विभाग) द्वारा इस निमित्त अनुमोदित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जनता साबुन के विक्रय के लिए किसी स्कीम के अधीन विनिर्माण किया जाता है,

(ii) साबुन का विक्रय, नेशनल कोऑपरेटिव कर्जर्स फेडरेशन आफ इंडिया लिमिटेड के माध्यम से या ऐसे अन्य संगठन के माध्यम से किया जाता है जिसका अनुमोदन उपरोक्त शर्त (i) में निविष्ट स्कीम के अधीन उक्त नागरिक पूर्ति विभाग द्वारा इस निमित्त किया जाए और ऐसा विक्रय उक्त फेडरेशन या संगठन को ऐसी कीमत पर किया जाता है जो भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) द्वारा समय समय पर नियत की जाए।

स्पष्टीकरण उक्त अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, "मूल्य" शब्द से वह मूल्य अभिप्रेत है जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 4 के उपबंधों के अनुसार अवधारित किया जाए।

[फा म 354/20/88-टी आर यू]

सी० पी० धी वास्तव, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 16th June, 1988

NO. 214/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 703(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts soap of value not exceeding rupees sixteen thousand per tonne and falling under sub-heading No. 3401.10 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), from so much of the duty of excise leviable thereon which is specified in the said Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of five per cent ad valorem, subject to the following conditions, namely :—

(i) the said soaps are manufactured under a scheme for the sale of janatha soap through public distribution system approved in this behalf by the Government of India in the Ministry of Food and Civil Supplies (Department of Civil Supplies);

(ii) the sale of such soaps are effected either through the National Co-operative Consumers Federation of India Limited or through such other organisation, as may be approved in this behalf by the said Department of Civil Supplies under the scheme referred to in condition (i) above, and such sale is at such prices to the said Federation or organisation as may be fixed from time to time by the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development).

Explanation.—For the purposes of this notification, the expression “value” means the value as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944).

[F. No. 354/20/88-TRU]  
C. P. SRIVASTAVA, Under Secy.

